• बाल कविता...

अधिकार ...

वे मुस्काते फूल, नहीं
जिनको आता है मुर्झाना,
वे तारों के दीप, नहीं
जिनको भाता है बुझ जाना;
वे नीलम के मेघ, नहीं
जिनको है घुल जाने की चाह
वह अनन्त रितुराज,नहीं
जिसने देखी जाने की राह;
वे सूने से नयन,नहीं
जिनमें बनते आंसू मोती,
वह प्राणों की सेज,नही
जिसमें बेसुध पीड़ा सोती;
ऐसा तेरा लोक, वेदना
नहीं, नहीं जिसमें अवसाद,
जलना जाना नहीं, नहीं
जिसने जाना मिटने का स्वाद!
क्या अमरों का लोक मिलेगा
तेरी करुणा का उपहार?
रहने दो हे देव! अरे
यह मेरा मिटने का अधिकार!

■ महादेवी वर्मा

• चुटकुले...

पति की लंबी उम्र के लिए पत्नी मंदिर गई।
वहां पर पत्नी ने पंडित जी से एक सवाल पूछा
महिला– पंडित जी, कोई ऐसा व्रत बताइए, जिससे पति की उम्र लंबी हो जाए?
पंडित जी– आप हफ्ते में चार दिन मौन व्रत रखा करो।
पंडित जी की बात सुनकर पत्नी उल्टे पैर वापिस चली गई।

😀😀😀

राम– लड़कियां कभी खुद प्यार का इजहार नहीं करती हैं?
श्याम – क्यों?
राम – ताकि ब्रेकअप करते समय वो ये कह सकें कि तुम ही मेरे पीछे पड़े थे, मैं नहीं।

😀😀😀

गोलू– रात भर मुझे नींद नहीं आई।
मोलू– क्यों?
गोलू– रात भर मैंने सपने में देखा कि मैं जाग रहा हूं।

• जानकारी...

धरती के अंदर पानी पीने लायक

बचपन से हमने पढ़ा और सुना है कि धरती के लगभग 70 फीसदी हिस्से पर पानी ही पानी है। लेकिन इनमें से अधिकांश खारा है, जो पीने लायक नहीं है। हम सभी जमीन के अंदर से पानी निकालकर पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि धरती के नीचे कितना पानी पीने लायक है और कितना पानी अभी बचा है। दरअसल वैज्ञानिकों ने धरती के नीचे बचे पानी के बारे में अपने रिसर्च में विस्तार से बताया है। जानिए वैज्ञानिकों ने क्या बताया।

लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक सस्केचेवान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 2021 में एक रिसर्च की थी। इस रिसर्च में वह ये जानना चाह रहे थे कि धरती की परत के नीचे मिट्टी या चट्टानों में कितना पानी छिपा हुआ है। इसमें ये पता चला कि महासागर ग्रह पर पानी का सबसे बड़ा भंडार बने हुए हैं, जिनमें लगभग 312 मिलियन क्यूबिक मील पानी भरा हुआ है। लेकिन धरती के अंदर भी पानी कम नहीं है। पृथ्वी की कोर में लगभग 43.9 मिलियन क्यूबिक किलोमीटर पानी है, जो धरती पर मौजूद कुल पानी का लगभग एक चौथाई है। वहीं इससे काफी कम पानी (लगभग 6.5 मिलियन क्यूबिक मील) अंटार्कटिका की बर्फ में छिपा हुआ है। लेकिन खास बात ये है कि धरती के नीचे मौजूद ज्यादातर पानी पीने योग्य है।

जर्नल जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में पब्लिश रिपोर्ट में बताया गया है कि कि जमीन से जिस पानी को हम खींचते हैं, वह सदियों से धरती के अंदर मौजूद है। हम इससे बहुत सारा पानी हर साल निकालते हैं, लेकिन बारिश और अन्य स्रोत से यह दोबारा रिचार्ज हो जाता है। नेचर जियोसाइंस जर्नल में 2015 में एक रिपोर्ट पब्लिश हुई थी। उसमें अनुमान लगाया गया था कि पृथ्वी की परत के ऊपरी 2 किलोमीटर में 22.6 मिलियन क्यूबिक किलोमीटर पानी भरा हुआ है। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने रिसर्च के बाद जो रिपोर्ट लाया है, उसके मुताबिक यह 23.6 मिलियन क्यूबिक किलोमीटर हो गया है।

रिसर्च के लेखक ग्रांट फर्ग्यूसन ने लाइव साइंस को बताया कि यह अधिकतर ताजा पानी है। इसका उपयोग पीने और सिंचाई के लिए किया जा सकता है। वहीं इसके विपरीत जो गहरा भूजल है, वह खारा होता है। कुछ स्थानों पर तो यह काफी नमकीन है। लेकिन उन्होंने बताया कि यह उतना खराब नहीं, जितना महासागरों का पानी होता है।

• जातक कथा

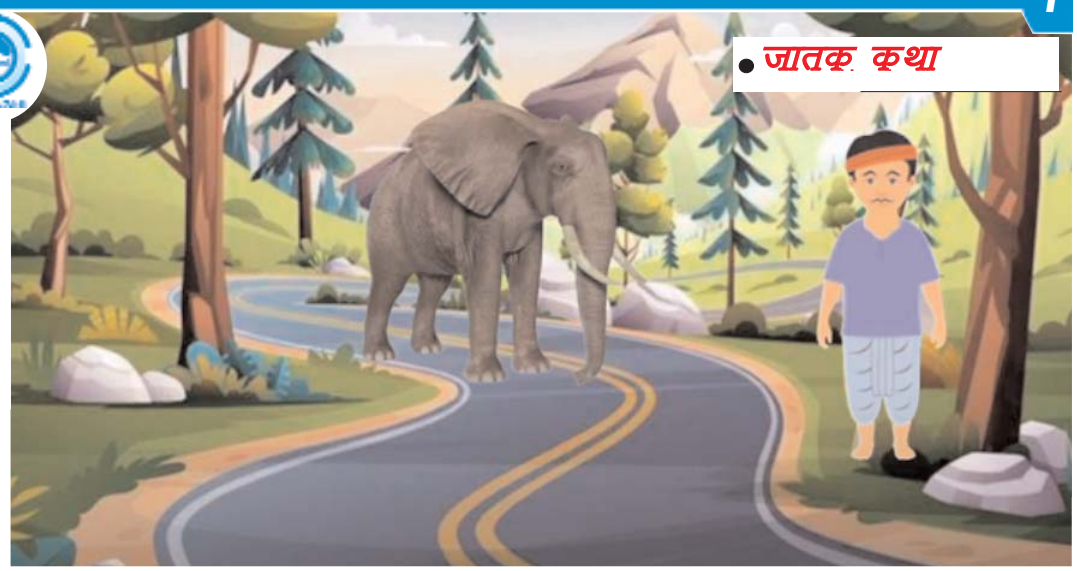

सीलवा हाथी और लोभी मित्र

कभी हिमालय के घने वनों में एक हाथी रहता था। उसका शरीर चांदी की तरह चमकीला और सफेद था। उसकी आँखें हीरे की तरह चमकदार थीं। उसकी सूंड सुहागा लगे सोने के समान कांतिमय थी। उसके चारों पैर तो मानो लाख के बने हुए थे। वह अस्सी हजार गजों का राजा भी था।

वन में विचरण करते हुए एक दिन सीलवा ने एक व्यक्ति को विलाप करते हुए देखा। उसकी भंगिमाओं से यह स्पष्ट था कि वह उस निर्जन वन में अपना मार्ग भूल बैठा था। वह उसकी सहायता के लिए आगे बढ़ा। मगर व्यक्ति ने समझा कि हाथी उसे मारने आ रहा था। अतः वह दौड़कर भागने लगा। उसके भय को दूर करने के उद्देश्य से सीलवा बड़ी शालीनता से अपने स्थान पर खड़ा हो गया।

वह समझ गया कि सीलवा कोई खतरनाक हाथी नहीं था। तब वह आदमी निर्भीक हो कर अपने स्थान पर स्थिर हो गया। सीलवा ने तब उसके पास पहुँचा कर उसकी सहायता का प्रस्ताव रखा। आदमी ने तत्काल उसके प्रस्ताव को स्वीकार किया। सीलवा ने उसे तब अपनी सूँड के उठाकर पीठ पर बिठा लिया और अपने निवास-स्थान पर ले जाकर नानाप्रकार के फलों से उसकी आवभगत की। अंततः जब उस आदमी की भूख-प्यास का निवारण हो गया तो सीलवा ने उसे पुनः अपनी पीठ पर बिठा कर उस निर्जन वन के बाहर उसकी बस्ती के करीब लाकर छोड़ दिया।

वह आदमी लोभी और कृतघ्न था। तत्काल ही वह एक शहर के बाजार में एक बड़े व्यापारी से हाथी दाँत का सौदा कर आया। कुछ ही दिनों में वह आरी आदि औजार और रास्ते के लिए समुचित भोजन का प्रबन्ध कर सीलवा के निवास स्थान को प्रस्थान कर गया।

जब वह व्यक्ति से सीलवा के सामने पहुँचा तो सीलवा ने उससे उसके पुनरागमन का उद्देश्य पूछा। उस व्यक्ति ने तब अपनी निर्धनता दूर करने के लिए उसके दाँतों की याचना की। उन दिनों सीलवा दान-पारमी होने की साधना कर रहा था। अतः उसने उस आदमी की याचना को सहर्ष स्वीकार कर लिया तथा उसकी सहायता के लिए घुटनों पर बैठ गया ताकि वह उसके दाँत काट सके।

उस व्यक्ति ने शहर लौटकर सीलवा के दांतों को बेचा और उनकी भरपूर कीमत भी पायी। मगर प्राप्त धन से उसकी तृष्णा और भी बलवती हो गयी। वह महीने भर में फिर सीलवा के पास पहुँच कर उसके शेष दांतों की याचना कर बैठा। सीलवा ने उस पुनः अनुगृहीत किया।

कुछ ही दिनों के बाद वह लोभी फिर से सीलवा के पास पहुँचा और उसके शेष दांतों को भी निकाल कर ले जाने की इच्छा जताई। दान-परायण सीलवा ने उस व्यक्ति की इस याचना को भी सहर्ष स्वीकार कर लिया। फिर क्या था? क्षण भर में वह आदमी सीलवा के मसूढ़ों को काट-छेद कर उसके सारे दांत-समूल निकाल कर और अपने गन्तव्य को तत्काल प्रस्थान कर गया।

खून से लथपथ दर्द से व्याकुल कराहता सीलवा फिर जीवित न रह सका और कुछ समयोपरान्त दम तोड़ गया।

लौटता लोभी जब वन की सीमा भी नहीं पार कर पाया था तभी धरती अचानक फट गयी और वह आदमी काल के गाल में समा गया।

तभी वहाँ वास करती हुई एक वृक्ष यक्षिणी ने यह गान गाया।

मांगती है तृष्णा और.... और --- !
मिटा नहीं सकता जिसकी भूख को सारा संसार....

वह समझ गया कि सीलवा कोई खतरनाक हाथी नहीं था। तब वह आदमी निर्भीक हो कर अपने स्थान पर स्थिर हो गया। सीलवा ने तब उसके पास पहुँचा कर उसकी सहायता का प्रस्ताव रखा। आदमी ने तत्काल उसके प्रस्ताव को स्वीकार किया।

सीलवा ने उसे तब अपनी सूँड के उठाकर पीठ पर बिठा लिया और अपने निवास–स्थान पर ले जाकर नानाप्रकार के फलों से उसकी आवभगत की। अंततः जब उस आदमी की भूख–प्यास का निवारण हो गया...

• रोचक...

मजबूत हड्डी

इंसान जब पैदा होता है तब उसके शरीर में करीब 300 हड्डियां होती है। लेकिन इंसान जैसे–जैसे व्यस्क होता जाता है उसकी हड्डियां 206 हड्डियां रह जाती हैं। इंसान के शरीर में कई तरह की हड्डियां होती हैं। जिनमें कुछ छोटी होती हैं। तो वहीं कुछ बड़ी। शरीर की कुछ हड्डियां बहुत कमजोर होती हैं तो वही एक हड्डी ऐसी होती है जो बहुत मजबूत हड्डी होती है। उसमें फ्रैक्चर होने की संभावना भी बहुत कम होती है। इन हड्डियों में सबसे मजबूत हड्डी होती है वह जांघ के पीछे की हड्डी होती है जिसे फीमर कहते हैं। इस हड्डी की लंबाई 19.9 इंच होती है। फीमर हड्डी शरीर के वजन का 30 गुना तक वजन सह सकती है। यह हड्डी कुल्हे से लेकर घुटनों के बीच तक होती है। वही इंसान के शरीर की सबसे छोटी हड्डी की बात की जाए तो स्टेपीज हड्डी सबसे छोटी होती है। यह हड्डी कान के अंदर होती है।

• ग्रेविटी के नियम...

आपको ये जानकर आश्चर्य हो की पृथ्वी पर कुछ जगहें ऐसी हैं जहां ग्रेविटी के नियम पूरी तरह से फेल नजर आते हैं। जबकि उसके आसपास की सभी जगहों पर स्थिति बिल्कुल सामान्य नजर आती है। इनमें सबसे पहले नाम आता है सेंट इग्नास मिस्ट्री स्पॉट का। जो मिशिगन में स्थित है। इस जगह पर यदि आप खड़े हो जाएं तो आपको ऐसा लगेगा जैसे आप अंतरिक्ष में हैं। दरअसल यहां 300 वर्गफीट के इलाके में गुरुत्वाकर्षण बिल्कुल काम नहीं करता है। फ्लोरिडा में स्थित स्पुक हिल में भी आकर आपको ऐसा लगेगा।